कार्य और जीवन में संतुलन

एक समय था, जब लोग ऑफिस के बंधे समय में काम करते थे, और उसके बाद अपना निजी समय बिताते थे। यह बाइनरी इतिहास की तरह लगती है, क्योंकि स्मार्टफोन और कोविड ने इस व्यवस्था में कायापलट कर दिया है। अब आपको दफ्तर के काम के लिए 24x7 उपलब्ध रहना होता है।

हाल ही में आस्ट्रेलिया ने कानून बनाया है कि वहाँ के कर्मचारी एक निश्चित समय के बाद ऑफिस के काम को नजरअंदाज कर सकते हैं। इसे 'राइट टू डिस्कनेक्ट' कहा जा रहा है। ऐसा कानून बनाने वाला फ्रांस पहला देश था। दूसरी ओर, जापान ऐसा देश है, जहाँ लोग जरूरत से ज्यादा काम करना चाहते हैं, और अपनी पूरी छुट्टियां भी नहीं लेते हैं।

निष्कर्ष यह है कि कर्मचारी गुलाम नहीं हैं। हमें जीने के लिए काम करना पड़ता है। अतः कार्य-जीवन में संतुलन होना बहुत जरूरी है।

'द टाइम्स ऑफ इंडिया' में प्रकाशित संपादकीय पर आधरित। 24 अगस्त, 2024